Comprehensive healthcare for rural poor - Lessons from the field

Dr. Raman Kataria, Jan Swasthya Sahyog, Bilaspur

12th July 2019

प्रत्येक गाँव तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना राज्य की प्राथमिकता में शामिल है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) के महानिदेशक श्री आर. परशुराम ने 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम' व्याख्यानमाला में 'काम्प्रेहेन्सिव हीलकेयर फॉर रूरल पुअर' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जन-स्वास्थ्य सहयोग संस्था के अनुभवों से अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन संस्थान लाभान्वित होगा। इस संस्थान ने गाँवों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

जन-स्वास्थ्य सहयोग गनयारी (बिलासपुर) के सह-संस्थापक डॉ. रमन कटारिया ने बताया कि नई दिल्ली स्थित एम्स के 6 चिकित्सकों द्वारा यह संस्थान वर्ष 1999 में स्थापित किया गया। संस्थान ने सहभागिता आधारित मॉडल पर ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु कल्याण संक्रामक रोग, कुपोषण और टीबी जैसी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान 70 ग्रामों में यह कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा मध्यप्रदेश के 6 जिलों में भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं को दक्ष बनाकर स्थानीय स्तर की चिकित्सीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। श्री कटारिया ने महँगी दवाओं की तुलना में जेनेरिक दवाओं के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाल अवस्था में संतुलित खानापान से बहुत सी बीमारियों से बचा जा सकता है।

संस्थान के प्रमुख सलाहकार श्री एम.एम. उपाध्याय ने कहा कि जन-स्वास्थ्य सहयोग द्वारा किये गये कार्यों के परिणाम उस क्षेत्र के स्वास्थ्य सूचकों में दिखते हैं।

Provision of effectual health services in each village is State's priority

■ Staff Reporter

PROVISION of effectual health services in each village is part of state government's priority. This was said by Director General of Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis (AIGGPA) R Parshuram, while expressing his views on the subject "Comprehensive Healcare for Rural Poor" during a lecture series "Asardaar Parivartan-Tikau Parinaam". He mentioned that the Atal Bihari Vajpayee Institute will be benetted by the experiences of Jan-Swasthya Sahyog Sansthan. This institute has done a commendable work in providing health services to the villages.

Co-Founder of Jan Swasthya Sahyog-Ganyari, Bilaspur Dr Raman Kataria informed that the institute was established in the year 1999 by 6 doctors of AIIMS, New Delhi. The institute on the basis of partnership model has played an important role in rural areas for prevention of diseases like mother and infant infectious diseases, malnutrition and T.B. This work is being done by the institute in 70 villages. Moreover, work is also being done by the institute in 6 districts of Madhya Pradesh. He further stated that medical requirements could be fulfilled at local level by making Asha workers competent at community level. He laid emphasis on use of generic medicines in place of costly medicines. Kataria said that balance diet in childhood could save from many diseases.

The Chief Advisor of the institute M M Upadhyaya said that result of the works carried out by the Jan-Swasthya Sahyog Sansthan reflects from the health index of that particular area.

MITBAD

राजधानी

प्रत्येक गांव तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना राज्य की प्राथमिकता

व्याख्यान माला में महानिदेशक परशुराम

भोपाल, 12 जुलाई. प्रत्येक गाँव तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना राज्य की प्राथमिकता में शामिल है. अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) के महानिदेशक आरण् परशुराम ने असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम व्याख्यानमाला में काम्प्रेहेन्सिव हीलकेयर फॉर रूरल पुअर विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही. उन्होंने कहा कि जन-स्वास्थ्य सहयोग संस्था के अनुभवों से अटल बिहारी बाजपेयीं सुशासन संस्थान लाभान्वित होगा. इस संस्थान ने गाँवों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने में उल्लेखनीय कार्य किया है. जन-स्वास्थ्य सहयोग गनयारी (बिलासपुर) के सह-संस्थापक डॉ. रमन कटारिया ने बताया कि नई दिल्ली स्थित एम्स के 6 चिकित्सकों द्वारा यह संस्थान वर्ष 1999 में स्थापित किया गया. संस्थान ने सहभागिता आधारित मॉडल पर ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु कल्याण संक्रामक रोग, कुपोषण और टीबी जैसी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. संस्थान 70 ग्रामों में यह कार्य कर रहा है. संस्थान द्वारा मध्यप्रदेश के 6 जिलों में भी कार्य किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं को दक्ष बनाकर स्थानीय स्तर की चिकित्सीय आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है. कटारिया ने महँगी दवाओं की तुलना में जेनेरिक दवाओं के उपयोग पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि बाल अवस्था में संतुलित खानापान से बहुत सी बीमारियों से बचा जा सकता है.

हर गांव तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्राथमिकता

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

प्रत्येक गांव तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना राज्य की प्राथमिकता में शामिल है। सरकार इस दिशा में काम कर रही है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए) के महानिदेशक आर. परशुराम ने शुक्रवार को 'असरदार परिवर्तन-टिकाऊ परिणाम' व्याख्यानमाला में 'काम्प्रेहेन्सिव हीलकेयर फॉर रूरल पुअर' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि जन-स्वास्थ्य सहयोग संस्था के अनुभवों से अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन संस्थान लाभान्वित होगा।

इस संस्थान ने गांवों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।जन-स्वास्थ्य सहयोग गनयारी (बिलासपुर) के सह-संस्थापक डॉ. रमन कटारिया ने बताया कि नई दिल्ली स्थित एम्स के 6 चिकित्सकों द्वारा यह संस्थान वर्ष 1999 में स्थापित किया गया। संस्थान ने सहभागिता आधारित मॉडल पर ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु कल्याण संक्रामक रोग, कुपोषण और टीबी जैसी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान 70 ग्रामों में यह कार्य कर रहा है। संस्थान द्वारा मप्र के 6 जिलों में भी कार्य किया जा रहा है।